शिवरात्री दीयां वधाईयां

शिवरात्री दीयां वधाईयां

अज लख लख होन वधाईयां, शुभ शिवरात्री दीयां ।।

शिव चौदश नूँ तड़के तड़के ।
शिव शंकर दा डमरू खड़के ।।
वजे ढोल वजन शहनाईयां - शुभ शिवरात्री.

शिव बूटी दे ला ला रगड़े ।
शिव भगतां मिल पाए भंगड़े ।।
पी पी बाटे भंग शरदाईयां - शुभ शिवरात्री.

मन्दिर मन्दिर लगा मेला ।
हर कोई मस्त फिरे अलबेला ।।
अज रौनकां दून सवाईयां - शुभ शिवरात्री.

शिव चौदश दी रात अनोखी ।
शिव - गौरां दी बारात अनोखी ।।
सबै रज रज खान मठाईयां - शुभ शिवरात्री.

फगन दी रूत, रूत बसन्ती ।
देख 'मधुप' हर पासे मस्ती ।।
फुल कलियां खिल मुसकाईयां - शुभ शिवरात्री.

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण 'मधुप' (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34455/title/shivratri-diyan-badhaiyan

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |